# SUB- PSYCHOLOGY

## B.A. Part -III (Hons), Paper-VI
## Group-A, System of Psychology

**Lesson-1, Structuralism- संरचनावाद**

**TOPIC** → (i) A Comparative Study of Wundt and Titchener's View regarding Structuralism
(ii) Criticism of Structuralism

**(1) विलहम वुंट एवं ई.बी. टीचनर का तुलनात्मक अध्ययन :-**

C.T. Morgan ने अपनी पुस्तक "A Brief introduction to psychology" पृष्ठ संख्या-03 में लिखा है- "Structuralism, perhaps influenced by the chemistry of its day, started a search for the elements into which mind - which was then thought to be the central concern of psychology - could be analyzed." Wilhelm Wundt- (1832-1920) की सर्वश्रेष्ठ पुस्तक- 1874 में 'Outlines of Physiological Psychology (लगभग-2400 पृष्ठों की) एवं 1911-12 में "Folk psychology" मनोविज्ञान के क्षेत्र में सर्वप्रथम क्रांति लाने का काम किया था एवं संरचनावाद की स्थापना इन्होंने ही की थी। वुन्ट जर्मनी के लिपजिग में टीचनर के गुरु थे। वुन्ट के शिष्यों में Catell एवं Hall टीचनर के पूर्व ही शिक्षा प्राप्त कर चुके थे। टीचनर वुन्ट से शिक्षा लेकर अमेरिका के Cornell University में प्रोफेसर बने एवं वुन्ट के संरचनावाद को और उन्नत बनाते हुए प्रस्तुत किया। चूँकि मनोविज्ञान के इतिहास में यह स्कूल अथवा वाद सबसे प्राचीन ही था अतः इसपर काफी चर्चा हुई। वुंट एवं टीचनर के संरचनावाद में बहुत से समानताओं के बाद भी काफी भिन्नताएँ थी जो इस प्रकार हैं:-

**समानताएँ :-**

(A) वुंट तथा टीचनर दोनों ने चेतन अनुभूति को मनोविज्ञान का विषय वस्तु माना।

(B) दोनों मनोवैज्ञानिकों ने introspection, observation, तथा experimentation को मनोविज्ञान की विधि माना जिससे Conscious experience का अध्ययन किया जाता है।

(C) दोनों मनोवैज्ञानिकों ने मानसिक घटना तथा शारीरिक घटना में स्पष्ट अंतर माना जिसे मनो दैहिक समानांतरवाद (psychophysical parallelism) कहा।

(D) वुंट एवं टीचनर दोनों मनोवैज्ञानिक "introspection Method" को बराबर उन्नत तथा objective तथा experimental बनाने पर जोर देते थे

(E) मनोविज्ञान को दोनों प्रयोगात्मक बनाने पर जोर दिया।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Scanned with CamScanner

## भिन्नताएँ

(A). वुंट के अनुसार चेतना/चेतन अनुभूति में संवेदना एवं भाव दो तत्व होते हैं जबकि टीचनर के अनुसार चेतन अनुभूति के संवेदना, भाव एवं प्रतिमा तीन तत्व होते हैं।

(B). चेतन के तत्वों में दो विशेषताएँ - गुण (Quality) तथा तीव्रता (intensity) होती है ऐसा Wundt ने बताया परंतु इन दो विशेषताओं के साथ ही साथ स्पष्टता, अवधि तथा विस्तार नामक विशेषताओं का भी वर्णन टीचनर ने किया। इस तरह टीचनर ने चेतन अनुभूति के संरचना एवं तत्वों की विस्तृत व्याख्या उक्त विशेषताओं के आधार पर की।

(C). वुंट द्वारा प्रतिपादित भाव के Tridimentional Theory - जिसमें सुख-दुःख, तनाव-शिथिलता, एवं उत्तेजना-शांत को भाव का आयाम माना था टीचनर ने अस्वीकृत कर दिया एवं केवल सुख-दुःख को ही भाव का आयाम माना। परंतु यह भी सच है कि Titchener ने भाव के अन्य दोनों आयामों को गति अनुभूति (Kinesthetic experience) के संदर्भ में माना। इस तरह देखा जाय तो टीचनर ने "त्रिविमीय सिद्धांत" को स्वीकार किया है।

(D). टीचनर का यह मानना था कि मनोविज्ञान एक मौलिक एवं सामान्य विज्ञान है इसका व्यावहारिक उद्देश्य (Applied / practical aims) नहीं है शायद इसीलिए टीचनर ने मनोविज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे बाल, पशु, असामान्य मनोविज्ञान को नहीं स्वीकारा। इसके विपरीत Wundt ने टीचनर के विचार के विपरीत बाल मनोविज्ञान तथा असामान्य मनोविज्ञान के अध्ययन पर बल दिया।

(E). वुन्ट की गिनती एक संस्था के रूप में की जाती है क्योंकि वुन्ट ही वह व्यक्ति था जिसने मनोविज्ञान को स्थापित किया, मनोविज्ञान की एक परिभाषा सर्वप्रथम दी, जोकि उपयुक्त मानक थी, मनोविज्ञान के विषय-वस्तु, अध्ययन विधि, मनोविज्ञान की पहली प्रयोगशाला लीपजिग-जर्मनी में स्थापित कर मनोविज्ञान को एक Base दिया। वुन्ट ने अनगिनत मनोवैज्ञानिकों को तैयार किया जो आगे चलकर मनोविज्ञान के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए और मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। टीचनर का नाम उस माली के तरह लिया जाता है जिन्होंने वुन्ट द्वारा किए गये बीज को सींचकर मेहनत कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती कर शाखा-बगीचे को विकसित कर दिया। टीचनर वुन्ट के सबसे प्रिय छात्रों में थे उन्होंने ही वुन्ट के विचारों को परिमार्जित कर पहचान दी।

इस तरह काफी भिन्नताओं के बाद भी बिना वुन्ट के योगदानों के टीचनर की व्याख्या करना असंभव है।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Scanned with CamScanner

## (ii) Criticism of Structuralism [संरचनावाद की आलोचनाएँ]

टीचनर एवं वुन्ट का संरचनावाद मनोविज्ञान की सबसे पहली विचारधारा थी/ यह संप्रदाय मनोविज्ञान के इतिहास में इसीलिए भी जाना जाता है क्योंकि मनोविज्ञान की रूप-रेखा, विषय-वस्तु, विधि आदि की सर्वप्रथम उस समय व्याख्या की जब इस समय उस विषय पर वैज्ञानिक तरह से कोई व्याख्या सामने नहीं थी मनोविज्ञान को एक विज्ञान के रूप में प्रस्तुत करने के लिए संरचनावादियों को जाना जाता है। लेकिन बाद के दिनों में विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने संरचनावाद की विभिन्न आधारों पर आलोचना की हैं जो इस प्रकार हैं :

(A.) कुछ मनोवैज्ञानिक आलोचकों ने टीचनर के संरचनावाद का विरोध करते हुए एक संकीर्ण सम्प्रदाय कहा और कहा कि संरचनावाद केवल चेतन अनुभूति के विश्लेषण की चर्चा करता है। चेतन अनुभूति का क्या कार्य है? इसकी उपयोगिता क्या है? इसका जवाब नहीं देता है।

(B.) संरचनावाद मनोविज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं पर कभी ध्यान नहीं दिया। इस कारण से टीचनर को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। बाल मनोविज्ञान, पशु मनोविज्ञान, समाज मनोविज्ञान, असामान्य मनोविज्ञान तथा मनोविज्ञान की अन्य शाखाओं से टीचनर ने अपने-आप को अलग रखा और यहां तक की इन शाखाओं को मनोविज्ञान भी नहीं माना। यही कारण रहा कि Watson ने संरचनावाद के विरोध में इन शाखाओं पर विशेष बल देकर मनोविज्ञान के क्षेत्र को काफी विस्तृत और व्यापक बना दिया।

(C.) संरचनावादियों के विरोध में दो सम्प्रदाय सबसे ज्यादा विरोध में उभरा जिसमें व्यवहारवाद एवं गेस्टाल्टवाद माना जाता है। गेस्टाल्टवादियों ने संरचनावाद के तात्विक विश्लेषण के विरोध में आवाज उठायी और इनलोगों ने कहा कि मनोवैज्ञानिक घटनाओं का अध्ययन समग्र रूप से (As a whole) करना चाहिए न कि उसे छोटे-छोटे तत्वों में तोड़कर। गेस्टाल्टवादियों ने कहा कि समग्रता तत्वों एवं अंशों का योग नहीं होता है।

(D.) संरचनावादियों के अध्ययन की विधि- अन्तर्निरीक्षण है अत: इसके आधार पर सबसे ज्यादा आलोचना निम्नलिखित प्रकार से की गई :

Scanned with CamScanner

(i) Introspection की आलोचना करते हुए मनोवैज्ञानिकों ने कहा कि चेतन अनुभूतियों को बदलने में काफी कुछ समय लग जाता है जिससे सूचना की विश्वसनीयता घट जाती है और अन्तर्निरीक्षणकर्ता घटना का वर्णन करते वक्त कई बातों को भूल जाता है अतः अन्तर्निरीक्षण एक दोषपूर्ण विधि है।

(ii) इस विधि की एक आलोचना यह भी है कि यह बहुत से मनोवैज्ञानिक पहलूओं का अध्ययन करने में सक्षम ही नहीं है। जैसे- अचेतन प्रभाव जिसका फ्रायडवाद में एक महत्वपूर्ण स्थान होता है परन्तु introspection के द्वारा Unconscious का अध्ययन ही संभव नहीं होता है। पशु मनोविज्ञान जो कि मनोविज्ञान की एक शाखा है उसके पशुओं का अध्ययन कर हम विभिन्न मनोवैज्ञानिक तथ्यों को जान सकते हैं परन्तु introspection method से पशुओं के चेतन अनुभूति जिसको हम नहीं जान पाते अध्ययन ही नहीं कर सकते हैं।

(iii) Boring, 1950 "The History of Introspection" नामक किताब में आलोचना करते हुए कहा कि विभिन्न व्यक्ति जो कि introspection से एक ही मनोवैज्ञानिक घटना का अध्ययन करते हैं फिर भी उनका परिणाम विभिन्न तरह का आ जाता है जो कि किसी भी दृष्टिकोण से वैज्ञानिक नहीं कहा जा सकता।

(iv) वाटसन का व्यवहारवाद जीवों के व्यवहार के अध्ययन पर बल देता है फिर भी हम दोनों के चेतन अनुभूति को कम नहीं कह सकते। बिना चेतन अनुभूति के किसी जीव के मनोविज्ञान की व्याख्या भी अधूरी कही जायेगी।

(v) अन्तर्निरीक्षण विधि में अनुमान, व्याख्यान दुःख आ जाते हैं जो कि सही तरीके से घटनाओं की विवेचना नहीं करने देते हैं। Individual differences के कारण भी एक ही Psychological events की व्याख्या अलग-अलग होती हैं।

उपरोक्त सभी आलोचनाओं के बाद भी संरचनावाद मनोविज्ञान के पहले School/सम्प्रदाय/विचारधारा/ism के रूप में काफी महत्वपूर्ण रहा जिसने मनोविज्ञान को विषय वस्तु, विधि एवं उसको प्रयोगशाला प्रदान करते हुए वैज्ञानिक अध्ययन करने का आधार बढ़ाया।

———— x ————

Dr. AJAY KUMAR
Associate Prof. & H.O.D. Psychology
J.J. College, ARA [V.K.S.U., ARA]
email- ajaypsychologyara@gmail.com
Mo.No - 8789427854

Scanned with CamScanner